बालवाटिका-3 प्रतिवेदन

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1, छिंदवाड़ा | सत्र 2025-26

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, 1253 केंद्रीय विद्यालयों में से केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1, छिंदवाड़ा ने भी अपने परिसर में 31 जुलाई 2023 से बालवाटिका-3 प्रारम्भ की है। यहाँ विद्यार्थियों के स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें माननीय प्राचार्य श्री हरि प्रसाद धारकर सर ने बालवाटिका-3 के संचालन एवं कार्यप्रणाली के बारे में बताया।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। कक्षा को आकर्षक ढंग से सजाया गया तथा दिशा-निर्देशों के अनुसार आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए।

सत्र 2025-26 में बालवाटिका-3 में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 25 अप्रैल 2025 को स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी दिन अभिभावक-शिक्षक बैठक (PTM) भी आयोजित की गई। विद्यालय के नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत माननीय प्राचार्य श्री एच. पी. धारकर, प्रधानाध्यापिका श्रीमती सुरेखा डेविड मैडम तथा सभी प्राथमिक शिक्षकों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन से हुआ, जिसके बाद प्राथमिक विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

श्रीमती सुरेखा डेविड मैडम ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। प्राचार्य सर ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया तथा अभिभावकों को बच्चों को जंक फूड और मोबाइल फोन से दूर रखने के लिए जागरूक किया। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित करने का भी आह्वान किया।

समाचार-पत्र में प्रकाशित गतिविधि



अनुशासन बचपन से ही सिखलाया जाना चाहिए

छिंदवाड़ा। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 छिंदवाड़ा में बालवाटिका तीन एवं दोनों पालियों की कक्षा पहली का विद्या प्रवेश उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। प्राचार्य हरिप्रसाद धारकर, प्रधान पाठक एसके साहू, वरिष्ठ शिक्षक डीआर नागवंशी, श्रीमती सुरेखा डेविड, श्रीमती अमिता सक्सेना के साथ अभिभावक और नन्हे मुन्ने बच्चों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण किया। इस अवसर पर प्राथमिक विभाग के छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। श्रीमती सुरेखा डेविड ने स्वागत भाषण दिया। सोनू आशीष वर्मा ने केंद्रीय विद्यालय की जानकारी, मंजू कुशवाह ने परीक्षा सम्बन्धित जानकारी, विकास साहू ने शुल्क भुगतान संबंधित जानकारी दी। योगिता नागदे ने छात्र-छात्राओं द्वारा करने योग्य कार्य और आकांक्षा गुप्ता ने करने योग्य कार्य विस्तार से बताए। मंच पर बालवाटिका तीन एवं कक्षा पहली के कक्षा शिक्षकों एवं विषय शिक्षकों का परिचय कराया गया। प्राचार्य श्री हरि प्रसाद धारकर ने बच्चों के भविष्य निर्माण में मां की भूमिका का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए थॉमस अल्वा एडीसन का जीवन वृतांत सुनाया। उन्होंने अभिभावकों को अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को विद्याप्रवेश पुस्तिका, लेखन सामग्री एवं मिष्ठान का वितरण कर विद्यारंभ की शुरुआत की गई। मंच संचालन सुश्री मनप्रीत एवं सुश्री स्वाति अविनाश ने किया।

यह समाचार-पत्र की कटिंग पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1, छिंदवाड़ा में बालवाटिका-3 एवं विद्या प्रवेश गतिविधियों का दस्तावेज प्रस्तुत करती है। इसमें विद्यालय के कार्यक्रम, बच्चों की सहभागिता तथा प्रारम्भिक अवस्था से ही अच्छे संस्कार विकसित करने के संदेश को रेखांकित किया गया है।

बाह्य भ्रमण एवं प्रकृति अवलोकन



बालवाटिका-3 के बच्चे हरे-भरे उद्यान के वातावरण में बाह्य भ्रमण के दौरान एक साथ दिखाई दे रहे हैं। इस अनुभव ने उन्हें अपने आसपास के वातावरण का अवलोकन करने, प्रकृति का आनंद लेने तथा कक्षा से बाहर मिल-जुलकर सीखने का अवसर प्रदान किया।

पतंग निर्माण गतिविधि



बच्चों ने रचनात्मक गतिविधि के दौरान रंग-बिरंगी हस्तनिर्मित पतंगें तैयार कीं और उन्हें उत्साहपूर्वक प्रदर्शित किया। इस गतिविधि ने कल्पनाशक्ति, सहभागिता, सूक्ष्म मोटर कौशल तथा स्वयं बनाई वस्तुओं को साझा करने की खुशी को बढ़ावा दिया।

हथेली चित्रकला गतिविधि



बच्चों ने मिलकर हथेली चित्रकला गतिविधि में भाग लिया और कार्यपत्रकों पर रंग-बिरंगे हाथों के निशान बनाए। इस गतिविधि ने संवेदी अन्वेषण, रचनात्मकता, समन्वय तथा आत्मविश्वास के साथ स्वयं को अभिव्यक्त करने में सहायता की।

राखी निर्माण गतिविधि



बच्चों ने शिक्षकों के सहयोग से राखी निर्माण गतिविधि में भाग लिया। इस व्यावहारिक गतिविधि ने रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया तथा बच्चों को देखभाल, साझेदारी और साथ मिलकर रहने की भावना का अनुभव कराया।

मुखौटा एवं वेशभूषा गतिविधि



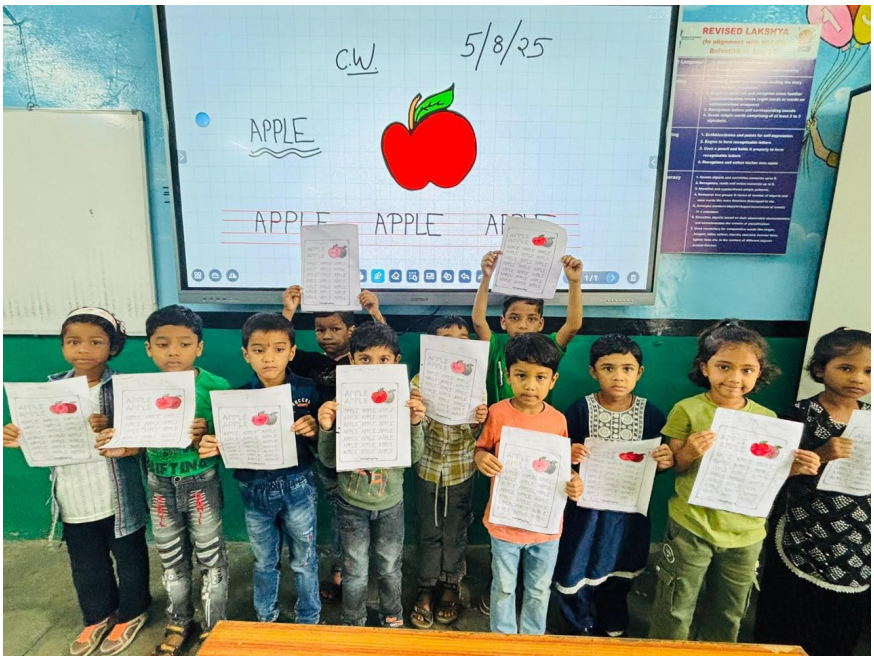
बच्चों ने रंग-बिरंगी मुखौटा एवं वेशभूषा गतिविधि में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अनुभव ने आनंदपूर्ण सहभागिता, रचनात्मकता तथा आत्मविश्वास के साथ अभिव्यक्ति को बढ़ावा दिया।

होली-आधारित रचनात्मक गतिविधि



बच्चों ने कक्षा में अपनी रंग-बिरंगी होली-आधारित चित्रकृतियाँ उत्साहपूर्वक प्रदर्शित कीं। इस गतिविधि ने कला के माध्यम से रचनात्मक अभिव्यक्ति, अवलोकन और सहभागिता को प्रोत्साहित किया।

एप्पल लेखन एवं भाषा अभ्यास



बच्चों ने डिजिटल कक्षा प्रदर्शन के सहयोग से “APPLE” शब्द लिखने का अभ्यास किया। इस गतिविधि में प्रारम्भिक साक्षरता, दृश्यात्मक अधिगम तथा मार्गदर्शित हस्तलेखन अभ्यास को एक साथ जोड़ा गया।

फल रंगाई गतिविधि



बच्चों ने कक्षा के फर्श पर एक साथ बैठकर फल रंगाई गतिविधि में भाग लिया। इस व्यावहारिक कार्य ने रंग भरने के कौशल, एकाग्रता, समन्वय तथा रचनात्मकता का विकास किया।

कागज़ मोड़ने की गतिविधि



बच्चों ने व्यावहारिक हस्तकला गतिविधि के दौरान बनाए गए रंग-बिरंगे कागज़ के नावों को उत्साहपूर्वक प्रदर्शित किया। इस गतिविधि ने रचनात्मकता, सूक्ष्म मोटर समन्वय, चरणों का अनुसरण करने तथा समूह में सहभागिता को बढ़ावा दिया।

अधिगम पर केन्द्रित बिंदु

- हाथों से बनाना, सजाना और रचनात्मक कार्य करने के माध्यम से सृजनात्मक अभिव्यक्ति।
- समूह गतिविधि में सामाजिक सहभागिता, सहयोग और भागीदारी।
- देखभाल, साझेदारी और साथ मिलकर रहने की सांस्कृतिक भावना की समझ।